गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 355
दि. 28.04.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'4 मई के बाद आऊंगा शपथ ग्रहण में', पीएम मोदी ने चुनाव से पहले लिखा इमोशनल लेटर, राम मंदिर-मां काली का भी जिक्र

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल की राजनीति में 2026 का विधानसभा चुनाव एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां हर बीतता दिन नई इबारत लिख रहा है। दूसरे चरण के मतदान (29 अप्रैल) से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल की जनता के नाम एक बेहद भावुक और रणनीतिक 'ओपन लेटर' जारी किया है। इस पत्र में केवल राजनीति नहीं, बल्कि आध्यात्मिकता, संकल्प और आने वाले भविष्य का एक स्पष्ट रोडमैप भी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल अपनी जीत का दावा किया, बल्कि यह भी साफ कर दिया कि 4 मई को चुनावी नतीजे आने के बाद वे सीधे बीजेपी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए कोलकाता लौटेंगे।

मां काली की भक्ति और राम मंदिर का संकल्प

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र की शुरूआत बंगाल से अपने आध्यात्मिक जुड़ाव के साथ की है। उन्होंने कहा कि बंगाल की भूमि उनके लिए केवल एक चुनावी मैदान नहीं, बल्कि शक्ति की साधना का केंद्र रही है। पीएम ने चुनाव प्रचार की थकान को लेकर भी एक दिलचस्प बात साझा की। उन्होंने बताया कि इतनी रैलियों और भीषण गर्मी के बावजूद उन्हें जरा भी थकान महसूस नहीं हुई, क्योंकि मां काली के भक्तों के बीच जाना उनके लिए किसी तीर्थ यात्रा से कम नहीं था।

मोदी ने साल की शुरूआत में हुए अयोध्या राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय उन्होंने 11 दिनों का जो अनुष्ठान और व्रत किया था, वैसी ही दिव्य अनुभूति उन्हें बंगाल के इस चुनाव अभियान के दौरान हो रही है। उन्होंने बंगाल के लोगों के प्रति अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि रोड शो के दौरान मिले पत्र और चित्र उनके जीवन की असली पूंजी हैं, जिन्हें वे रात में तसल्ली से देखते और पढ़ते हैं।

टीएमसी पर सीधा हमला: 'मां, माटी, मानुष' को भूली दीदी

अपने खत और रैलियों के माध्यम से पीएम मोदी ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (ळटउ) को आड़े हाथों लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस 'मां, माटी, मानुष' के नारे के दम पर ममता बनर्जी सत्ता में आईं, आज उनकी पार्टी उसी नारे को पूरी तरह भूल चुकी है। पीएम ने कहा कि टीएमसी के पास बंगाल के भविष्य के लिए कोई विजन नहीं है।

पीएम मोदी ने कड़े शब्दों में कहा कि बंगाल में अब सिर्फ 'झूठ बोलो और राज करो' का फॉर्मूला चल रहा है। उन्होंने 'सिंडिकेट राज' और 'महा-जंगलराज' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि यहां विकास की फैक्ट्रियां नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के कारखाने खुल रहे हैं। मोदी ने भरोसा दिलाया कि बीजेपी का लक्ष्य बंगाल में 'सिंडिकेट' के बजाय 'जनता जनार्दन' का राज स्थापित करना है।

29 अप्रैल: रिकॉर्ड वोटिंग की अपील

दूसरे चरण के मतदान की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री ने मतदाताओं से भारी संख्या में निकलने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में बंगाल में अब परिवर्तन की लहर नहीं, बल्कि आंधी चल रही है। पीएम ने लिखा, "मैं आपको भरोसा देता हूं कि बंगाल में बीजेपी के मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण का उत्सव हम सभी मिलकर मनाएंगे। मैं 4 मई के नतीजों के बाद सीधे इस उत्सव में शामिल होने आऊंगा।" यह बयान न केवल कार्यकताओं में जोश भरने वाला है, बल्कि विपक्ष के लिए एक बड़ी मनोवैज्ञानिक चुनौती भी है।

बंगाल चुनाव 2026: पहले चरण की वोटिंग के चौंकाने वाले आंकड़े

बंगाल में सत्ता परिवर्तन की सुगबुगाहट आंकड़ों में भी दिख रही है। 23 अप्रैल को हुए पहले चरण के मतदान में 294 में से 152 सीटों पर 92.72% की रिकॉर्ड वोटिंग दर्ज की गई।

सत्ता परिवर्तन का गणितः बंगाल के चुनावी इतिहास को देखें तो जब भी वोटिंग प्रतिशत में 2% से 4% का बड़ा उछाल आया है, सत्ता बदल गई है। 2011 में जब ममता बनर्जी ने लेफ्ट का 34 साल पुराना किला ढहाया था, तब वोटिंग में 2.4% की बढ़ोतरी हुई थी।

शाह बनाम ममताः जहां अमित शाह का दावा है कि टीएमसी का सूरज अब ढल चुका है, वहीं ममता बनर्जी ने इतनी भारी वोटिंग को वोटर लिस्ट में हेरफेर (SIR) के खिलाफ जनता का गुस्सा बताया है।

अक्सर पूछे जाने वाले सवाल

1. बंगाल चुनाव 2026 के नतीजे कब आएंगे?

पश्चिम बंगाल के साथ-साथ असम, केरलम और पुडुचेरी के चुनाव नतीजे भी 4 मई 2026 को घोषित किए जाएंगे।

2. प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र में किन प्रमुख मुद्दों को उठाया?

पीएम ने भ्रष्टाचार (सिंडिकेट राज), महिला सुरक्षा, बेरोजगारी, मां काली के प्रति अपनी श्रद्धा और विकसित बंगाल के रोडमैप पर ध्यान केंद्रित किया।

बिहार में सरकार के बाद अब अफसरशाही में बड़ा बदलाव, कई आईएएस अधिकारियों का तबादला

(जीएनएस)।

बिहार में सम्राट चौधरी सरकार के गठन के साथ ही प्रशासनिक अमले को चुस्त-दुरुस्त करने की कवायद तेज हो गई है। सामान्य प्रशासन विभाग ने रविवार 26 अप्रैल की देर शाम अधिसूचना जारी करते हुए कई सीनियर कअर अधिकारियों के कार्यभार में फेरबदल किया है।

इस ट्रांसफर में राजभवन से लेकर सचिवालय और जिला स्तर के पदों पर बदलाव किए गए हैं। विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्यपाल के प्रधान सचिव सहित कई सचिव स्तर के अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

माना जा रहा है कि सरकार प्रशासनिक कामकाज को और प्रभावी बनाने तथा विभागीय समन्वय को मजबूत करने के उद्देश्य से यह कदम उठा रही है।

राजभवन सचिवालय और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में बदलाव

अधिसूचना के मुताबिक, 1997 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री रॉबर्ट एल. चोंग्यू, जो अब तक राज्यपाल के प्रधान सचिव के रूप में कार्यरत थे, उन्हें ट्रांसफर करते हुए अल्पसंख्यक कल्याण विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है। इस पद पर उनकी नियुक्ति अगले आदेश तक के लिए की गई है।

श्री गोपाल मीणा (2007 बैच): राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव के रूप में कार्यरत गोपाल मीणा को अब राज्यपाल के सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही, वह सामान्य प्रशासन विभाग में 'जांच आयुक्त' के अतिरिक्त प्रभार में भी बने रहेंगे।

मो० सोहैल (2007 बैच): अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सचिव मो० सोहैल को स्थानांतरित करते हुए सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग बनाया गया है। वह भी गोपाल मीणा की तरह 'जांच आयुक्त' के अतिरिक्त प्रभार को संभालते रहेंगे।

भाजपा के हुए राघव तो आप ने उठा दिया शादी पर सवाल! खिंचा परिणीति का नाम?

आम आदमी पार्टी (AAP) और उसके पूर्व दिग्गज नेता राघव चड्ढा के बीच की तल्खी अब सार्वजनिक युद्ध में तब्दील हो चुकी है। हाल ही में BJP का दामन थामने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने जब अपनी पुरानी पार्टी को 'टॉक्सिक कार्यस्थल' करार दिया, तो AAP ने भी पलटवार करने में देर नहीं की। दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने एक तीखा वीडियो जारी कर राघव के आरोपों की धज्जियां उड़ाईं। भारद्वाज ने न केवल राघव की निष्ठा पर सवाल उठाए, बल्कि उनके निजी जीवन और अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा के साथ हुई उनकी हाई-प्रोफाइल शादी को भी पार्टी की बदौलत मिला सम्मान बता दिया।

'टीएमसी घुसपैठ को बढ़ावा देती है, बंगाल अब मुक्ति चाहता है', चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सीएम योगी के तीखे प्रहार

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण से ठीक पहले सोमवार (27 अप्रैल) को राज्य में जोरदार प्रचार किया। हुगली जिले के प्रसिद्ध तारकेश्वर तारकनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने उत्तर 24 परगना जिले के कल्याणी विधानसभा क्षेत्र में इखढ उम्मीदवार अनुपम बिस्वास के समर्थन में भव्य रोड शो निकाला। लाखों की भीड़ उमड़ी, जहां योगी ने ळटउ पर जमकर हमला बोला।

सीएम योगी ने कहा, 'ळटउ घुसपैठ को बढ़ावा देती है। बंगाल अब इस पार्टी से मुक्ति चाहता है। टेरर, माफिया राज और कटमनी की सरकार का खेल खत्म होने वाला है।' उन्होंने ळटउ पर रामनवमी पर प्रतिबंध लगाने और लैंड जिहाद की घटनाओं पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। साथ ही दावा किया कि उन्होंने वढ को दंगा-मुक्त बना दिया है और अब बंगाल में भी 'डबल इंजन' सरकार आ रही है।

यह रोड शो सिर्फ चुनावी प्रचार नहीं, बल्कि बंगाल की बदलती राजनीतिक हवा का बड़ा संकेत था। 29 अप्रैल को दूसरे चरण में 142 सीटों पर वोटिंग है। पहले चरण में रिकॉर्ड 93.2% मतदान हुआ था। इखढ अब पूरे जोर से 'परिवर्तन' का नारा बजा रही है।

तारकेश्वर मंदिर से शुरू हुआ राष्ट्रवादी संदेश

सुबह योगी आदित्यनाथ ने हुगली के तारकेश्वर तारकनाथ मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। बाबा तारकनाथ के दरबार में राष्ट्रवाद का प्रचंड शंखनाद गूंजा। मंदिर से निकलते ही उन्होंने ळटउ शासन पर निशाना साधा। कहा कि पश्चिम बंगाल की धरती को टेरर, माफिया राज और कटमनी से मुक्त करने का समय आ गया है। बंगाल फिर से उन्नति की राह पर लौटेगा। यह दौरा संयोग नहीं था। तारकेश्वर जैसे पवित्र स्थल से शुरू करके योगी ने हिंदू भावनाओं को जोड़ने की कोशिश की, जिस पर ळटउ दमनकारी नीति अपनाती है।

कल्याणी में जनसैलाबः

कल्याणी पहुंचकर योगी ने इखढ प्रत्याशी अनुपम बिस्वास के लिए रोड शो किया। सड़कें BJP झंडों और समर्थकों से पट गईं। धानेखाली और कल्याणी विधानसभा क्षेत्र की जनता से संवाद करते हुए योगी ने कहा कि धानेखाली की जनता-जनार्दन से कह रहा हूं... TMC की दमनकारी राजनीति के दिन अब गिनती के रह गए हैं। पश्चिम बंगाल जाग चुका है। कल्याणी वासियों का हार्दिक आभार। यह जनसैलाब निर्मम सत्ता के अहंकार को चकनाचूर करने का संकल्प है।

योगी ने ळटउ पर सीधा आरोप लगाया कि ळटउ घुसपैठ को बढ़ावा देती है। बंगाल अब इस पार्टी से मुक्ति चाहता है। उन्होंने वढ मॉडल का जिक्र करते हुए कहा, 'मैंने वढ को दंगा-मुक्त बना दिया। अब बंगाल में भी वही मॉडल आएगा। विकास, कानून व्यवस्था और हिंदू-मुस्लिम सबका समान अधिकार।'

कल्याणी सीटः 2021 में इखढ की जीत, 2026 में बहुकोणीय लड़ाई

कल्याणी (SC) विधानसभा क्षेत्र नदिया जिले में आता है। 2026 मतदाता सूची के अनुसार यहां 2,48,306 पंजीकृत मतदाता हैं। इसमें 1,25,988 पुरुष, 1,22,310 महिला और 8 थर्ड जेंडर। 2021 चुनाव में इखढ की अंबिका रॉय ने ळटउ के अनिरुद्ध बिस्वास को 2,206 वोटों से हराकर सीट जीती थी। इस बार मुकाबला चार कोनों का है:

BJP: अनुपम बिस्वास
TMC: डॉ. अतींद्र नाथ मंडल
CPI(M): सबुज दास
INC: असीमानंद मजूमदार

यह सीट BJP के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां से 'परिवर्तन' की लहर शुरू करने का दावा किया जा रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी चंदननगर विधानसभा क्षेत्र में इखढ उम्मीदवार के समर्थन में रोड शो किया। PM नरेंद्र मोदी कई महत्वपूर्ण जिलों में हाई-प्रोफाइल जनसभाएं करने वाले हैं। BJP का पूरा स्टार कास्ट बंगाल में उतर चुका है।

ममता बनर्जी का काउंटरः 'जोराफूल' पर अपील

TMC सुप्रीमो और CM ममता बनर्जी ने दूसरे चरण से पहले मतदाताओं से अपील की। उन्होंने कहा कि अपनी भाषा, संस्कृति और इस भूमि की गौरवशाली विरासत की रक्षा के लिए हर नागरिक से विनम्र अपील है कि 29 अप्रैल को जोराफूल चिह्न दबाएं। मां-माटी-मानुष के उम्मीदवारों को शानदार जीत दिलाएं। लेकिन योगी के हमलों के जवाब में ळटउ अब बचाव की मुद्रा में है।

बंगाल चुनाव 2026, क्यों गर्म है माहौल?

TMC ५२ BJP का सीधा मुकाबला : 2011 से TMC सत्ता में है। तीन बार की सरकार के बाद एंटी-इनकंबेंसी साफ दिख रही है। BJP 2021 में 77 सीटें जीत चुकी है। इस बार 'डबल इंजन' का फॉर्मूला और वढ मॉडल को हथियार बनाकर BJP पूर्ण बहुमत का लक्ष्य रख रही है।

मुद्दे क्या हैं?

घुसपैठ और सुरक्षाः योगी बार-बार TMC पर 'घुसपैठियों' को संरक्षण देने का आरोप लगा रहे हैं।

धीरेंद्र शास्त्री के '4 बच्चे' वाले बयान पर कहा-भगवान की कृपा किसी को रोक-टोक नहीं: परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह ने सोमवार (27 अप्रैल) को जनसंख्या पर चल रही बहस में बड़ा बयान दिया। उन्होंने बच्चों के जन्म को 'भगवान की कृपा' बताया और साफ कहा कि भारत में किसी पर कोई रोक नहीं है। मंत्री की यह टिप्पणी बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के हालिया विवादास्पद बयान के जवाब में आई, जिसमें उन्होंने हिंदुओं से अपील की थी कि चार बच्चे पैदा करें।

जिला मुख्यालय पर 'महिला जन आक्रोश अभियान' कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए दयाशंकर सिंह ने कहा, 'भारत में किसी पर कोई रोक नहीं है। यह भगवान की कृपा है। किसी के पांच बच्चे होते हैं, तो किसी के बिल्कुल भी नहीं।'

उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षा को 'मुंगेरी लाल के हसीन सपनों' से जोड़ा। मंत्री ने दावा किया कि सपा अब कभी सत्ता में वापस नहीं आएगी। उन्होंने कहा, '2012 का चुनाव 'नेताजी' मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में लड़ा गया था, जिन्होंने बाद में अखिलेश को मुख्यमंत्री बनाया था। तब से वे लगातार चुनाव हार रहे हैं।'

सपा के PDA (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) फॉर्मूले पर तंज कसते हुए सिंह ने इसका नया मतलब बताया - 'परिवार विकास प्राधिकरण' उन्होंने कहा, 'उनके लिए ढऊअ का मतलब सिर्फ परिवार के सदस्य हैं, और कोई नहीं। अगर अखिलेश सचमुच ढऊअ का भला चाहते हैं, तो उन्हें फैसला करना चाहिए कि इन समुदायों का कोई आम व्यक्ति उनकी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। तभी लोग उन पर भरोसा करेंगे।'

भाजपा और सपा की तुलना करते हुए दयाशंकर सिंह ने कहा, 'भाजपा में कोई भी आम कार्यकर्ता अपनी मेहनत से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या राष्ट्रपति जैसे बड़े पदों तक पहुंच सकता है। भाजपा ने मोहन यादव को, जो उसी समुदाय से आते हैं, मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया। क्या अखिलेश यादव की पार्टी का कोई आम कार्यकर्ता कभी उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने का सपना भी

दयाशंकर सिंह भाजपा के वरिष्ठ नेता और योगी आदित्यनाथ सरकार में परिवहन राज्य मंत्री हैं। वे बलिया सदर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय से 1998 में एमए (चिकित्सा इतिहास) करने वाले सिंह यूपी की सियासत में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।

'जब समय आएगा, सब पता चल जाएगा' : डीके शिवकुमार

उपमुख्यमंत्री के बयान ने बढ़ाई हलचल

(जीएनएस)।

कर्नाटक की सत्ताधारी कांग्रेस में अंदरूनी मतभेद और संभावित नेतृत्व संघर्ष की नई चचाओं के बीच, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने इसे 'छोटा' बताते हुए खारिज कर दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी के भीतर कोई मुद्दा नहीं है और वे आलाकमान के किसी भी फैसले का पालन करेंगे।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा, "मैं मीडिया के सामने राजनीतिक मुद्दों पर बात नहीं करता। जब समय आएगा, आप सभी को इसके बारे में पता चल जाएगा। फिलहाल, हमारे बीच कोई मुद्दा नहीं है, कोई समस्या नहीं है, और इसमें कोई राजनीति शामिल नहीं है। जो भी निर्णय लिए गए हैं, उन्हें लागू किया जाएगा।"

2023 पावर शेयरिंग समझौता के कारण बढ़ी अटकलें

डीके शिवकुमार की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब सरकार के अपने कार्यकाल के मिड प्वाइंट के करीब पहुंचने के साथ ही राजनीतिक गलियारों में संभावित नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल फेरबदल की चर्चा तेज हो गई है। 2023 में सरकार गठन के समय मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच कथित सत्ता-साझाकरण समझौते ने भी इन अटकलों को हवा दी है।

पार्टी में मतभेदों और नेतृत्व के हस्तक्षेप की आवश्यकता का संकेत देने वाले वरिष्ठ मंत्री सतीश जारकीहोली की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, शिवकुमार ने किसी भी तरह की दरार से इनकार किया। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व "उचित समय पर जो कुछ भी करना होगा, वह करेगा।"

उन्होंने आगे कहा, "हमारी पार्टी जो आवश्यक समझेगी, वह कर सकती है। कोई समस्या नहीं है, हमें अपनी पार्टी पर पूरा भरोसा है। वे वही करेंगे जो करने की जरूरत है।" नेतृत्व में संभावित बदलाव के सवालों पर, शिवकुमार ने दोहराया कि वे और मुख्यमंत्री सिद्धामैया दोनों पार्टी के निदेशों का पालन करेंगे।

डीके शिवकुमार ने कहा, "मुख्यमंत्री और मैंने दोनों ने कहा है कि जब भी आलाकमान कोई निर्देश देगा, हम उसका पालन करेंगे और उसी के अनुसार कार्य करेंगे।" उन्होंने 15 मई को अपने जन्मदिन के आसपास किसी 'अच्छी खबर' की उम्मीद पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया,

जबकि राज्य में राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर अटकलें जारी हैं।

जन्मदिन को लेकर कार्यकताओं को दी सख्त चेतावनी

वहीं डीके शिवकुमार ने अपने जन्मदिन समारोह के लिए फ्लेक्स बैनर या होर्डिंग लगाने के खिलाफ पार्टी कार्यकताओं को सख्त चेतावनी जारी की। उन्होंने कहा, "मेरे जन्मदिन पर कोई भी फ्लेक्स या बैनर नहीं लगाएगा। यदि कोई ऐसा करता है, तो मैं नागरिक अधिकारियों को कार्रवाई करने का निर्देश दूंगा। यदि आवश्यक हो, तो वे विज्ञापन प्रकाशित कर सकते हैं। सड़कों की सुंदरता खराब न करें।"

समर्थक बोले- शिवकुमार को तुरंत सीएम नियुक्त करें

रविवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए, द्रष्टा ने कांग्रेस आलाकमान से आग्रह किया कि वे शिवकुमार को तुरंत कर्नाटक का मुख्यमंत्री नियुक्त करें। उन्होंने दावा किया कि राज्य में पार्टी को सत्ता में लाने के बाद वरिष्ठ पार्टी नेताओं द्वारा उनसे इस पद का वादा किया गया था।

अन्य जातियों के नेताओं को भी अवसर दिया जाए

द्रष्टा ने कहा, "हम यह नहीं कह रहे हैं कि वर्तमान मुख्यमंत्री पिछड़े वर्गों के नेता नहीं हैं। हालांकि, यह बताया जा रहा है कि वे पहले ही लगभग आठ वर्षों तक मुख्यमंत्री के रूप में सेवा दे चुके हैं।

सम्पादकीय

बन रही यूएस-ईरान डील की संभावना

पिछले वुछ दिनों के घटनाव्रम से उम्मीद जगी है कि अगले वुछ दिनों में अमेरिका-ईंरान में कोई डील हो जाए और युद्ध भविष्य में होने से टल जाए। जिस तरह से ईंरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची 48 घंटे में दो बार इस्लामाबाद गए, वहां से मस्कट (ओमान) गए और वहां से मास्को गए उससे तो लगता है कि ईंरान ने डील की शर्तें तय कर ली हैं और ईंरान भी अमेरिका से बातचीत करने को तैयार है। दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी थोड़ी नरमी दिखाईं और युद्ध विराम को अनिातिकाल तक बढ़ा दिया और ईंरान के प्रातिनिधिमंडल से इस्लामाबाद में अगले प्रातिनिधिमंडल को भेजने की इजाजत दी उससे साफ है कि ट्रंप इस युद्ध से हर हालत में बाहर निकलना चाहते हैं। वह जानते हैं कि वह यह युद्ध हार चुके हैं। आगे लड़ने के लिए न तो उनमें मादा है और न ही युद्ध लड़ने के संसाधन? ट्रंप की एक बड़ी मजबूरी यह भी है कि उन्हें 2 मईं तक अमेरिकी कांग्रोस (संसद) से ईंरान युद्ध को जारी रखने के लिए स्वीवृति भी लेनी होगी। जोकि शायद मुश्किल हो। क्योंकि अमेरिका के 63 प्रातिशत नागरिक ट्रंप के इस युद्ध के खिलाफ हैं और वह नहीं चाहते कि अमेरिका इजरायल का युद्ध लड़े।

इसके अलावा अमेरिकी सेना ने स्पष्ट कर दिया है कि उसके पास अब हथियारों का जखीरा आधा हो चुका है और यह वह किसी भविष्य इमरजेंसी के लिए रखना चाहता है। सो मुझे नहीं लग रहा कि ट्रंप में अब मादा है कि यह युद्ध जारी रखें। देखा जाए तो असहमति के भी दो-तीन मुद्दे ही बचे हैं। होर्मुज स्ट्रेट को खोलना, ईंरान के परमाणु कार्यव्रम पर वंट्रोल और मिसाइलों को सीमित करना, होर्मुज पर टोल लेना? इत्यादि यही प्रामुख मुद्दे बचे हैं। ईंरान के विदेश मंत्री के इतनी बार इस्लामाबाद के चक्कर लगाना यह संकेत देता है कि ईंरान भी अब किसी समझौते को चाहता है। ट्रंप को अपने उकसावे वाले फिजूल बयान बंद करने होंगे।

खामखां वह उल्टे सीधे बयान देकर माहौल खराब करते हैं। दो दिन पहले हुए जानलेवा हमले का भी ट्रंप पर जरूर असर पड़ा होगा। सैन्य टकराव से दोनों पक्ष जितना हासिल कर सकते थे, कर लिया है। अमेरिका ने जिन तथ्यों को लेकर जंग छेड़ी थी वे अब भी दूर है और पता नहीं वह लड़ाईं से इन्हें पूरा कर भी सकते हैं या नहीं? इसी तरह ईंरान को भी अंदाजा होगा कि वह ट्रंप की जिद पर एक सीमा तक ही झुक सकता है। ऐसे में एक ही रास्ता बचा है शांति। तेल और नेचुरल गैस को लेकर इंटरनेशनल एनजा एजेंसी की चेतावनी कि इनकी सप्लाईं 2027 तक भी सामान्य नहीं होगी, जंग के गंभीर नतीजों का बस एक पहलू है। गतिरोध लंबा खिचने से वैश्विक मंदी आ सकती है और इसकी सबसे ज्यादा कीमत आम आदमी को चुकानी पड़ती है। वैसे भी जंग में भी मरता तो आम आदमी है चाहे वह किसी भी देश का हो। इसलिए वुल मिलाकर डील हो जाए तो उसका सारी दुनिया स्वागत करेगी। देखें, यह चमत्कार क्या इस्लामाबाद कर पाएगा?

लद्दाख में बड़ा बदलाव, अब 2 नहीं 7 जिले होंगे! जानिए कौन-कौन बने 5 नए जिले?

(जीएनएस)।

लद्दाख में प्रशासनिक ढांचे को लेकर बड़ा फैसला सामने आया है। केंद्र शासित प्रदेश में अब पांच नए जिले बनाए जाएंगे, जिसके बाद यहां जिलों की कुल संख्या दो से बढ़कर सात हो जाएगी। इस घोषणा को लद्दाख के प्रशासनिक इतिहास का अहम मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि लंबे समय से स्थानीय लोग छोटे प्रशासनिक इकाइयों की मांग कर रहे थे।

लद्दाख के उप-राज्यपाल विनय कुमार (वीके) सक्सेना ने इस फैसले को मंजूरी देते हुए इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय केवल सीमाओं के पुनर्गठन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य लोगों तक प्रशासन को और करीब पहुंचाना है।

▶ कौन-कौन से बनेंगे नए जिले?

लद्दाख में जिन पांच नए जिलों के गठन को मंजूरी मिली है, उनमें शामिल हैं: नुब्रा, शाम, चांगथांग, जांस्कर, द्रास

अब तक लद्दाख में केवल दो जिले थे, लेह और कारगिल। नए जिलों के बनने के बाद प्रशासनिक नक्शा पूरी तरह बदल जाएगा और कुल सात जिले अस्तित्व में आ जाएंगे।

▶ क्यों लिया गया यह फैसला?

लद्दाख के दूरदराज और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले लोगों को लंबे समय से सरकारी सेवाओं तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कई गांवों के लोगों को छोटी प्रशासनिक जरूरतों के लिए भी लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी।

उप-राज्यपाल ने कहा कि नए जिलों के गठन से प्रशासनिक कामकाज स्थानीय स्तर पर तेज होगा। इससे सरकारी दफ्तर लोगों के करीब आएंगे और जरूरी सेवाएं जल्दी मिल सकेंगी।

इस फैसले की शुरूआत अगस्त 2024 में हुई थी, जब गृह मंत्रालय ने नए जिलों के गठन को मंजूरी दी थी। यह मंजूरी केंद्र सरकार की उस सोच का हिस्सा मानी जा रही है, जिसमें छोटे प्रशासनिक ढांचे के जरिए विकास को गांव और दूरस्थ इलाकों तक पहुंचाने की योजना शामिल है।

उप-राज्यपाल वीके सक्सेना ने बताया कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित और समृद्ध लद्दाख की सोच से जुड़ा हुआ है। प्रशासनिक विकेंद्रीकरण के जरिए लोगों को बेहतर शासन उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

नए जिलों के बनने के बाद प्रशासनिक सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेंगी। नए जिला मुख्यालय बनने से डिप्टी कमिश्नर कार्यालय और अन्य सरकारी विभाग भी स्थापित किए जाएंगे।

इसका सीधा फायदा स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक योजनाओं और सरकारी सहायता कार्यक्रमों में देखने को मिल सकता है। लोगों को दस्तावेज, प्रमाण पत्र और सरकारी योजनाओं के लिए अब लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी।

▶ रोजगार और कारोबार पर क्या असर होगा?

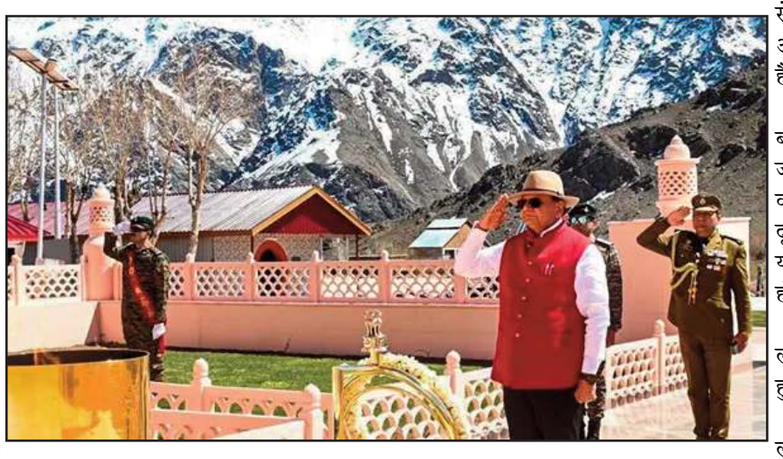

प्रशासन का मानना है कि नए जिलों के गठन से केवल प्रशासनिक सुविधा ही नहीं बढ़ेगी, बल्कि रोजगार और स्थानीय कारोबार को भी बढ़ावा मिलेगा।

जिला मुख्यालय बनने से निर्माण कार्य, नई सरकारी नौकरियां और छोटे व्यवसायों के अवसर पैदा हो सकते हैं। स्थानीय स्तर पर नए दफ्तर खुलने से युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना बढ़ेगी। साथ ही पर्यटन और उद्यमिता से जुड़े क्षेत्रों को भी फायदा हो सकता है।

▶ 2019 के बाद लद्दाख का सबसे बड़ा प्रशासनिक बदलाव

लद्दाख को साल 2019 में केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिला था। उसके बाद यह पहला बड़ा प्रशासनिक बदलाव माना जा रहा है। दो जिलों से बढ़कर सात जिलों तक पहुंचना केवल संख्या बढ़ना नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कदम माना जा रहा है।

प्रशासन का कहना है कि यह फैसला समावेशी विकास की दिशा में उठाया गया कदम है, ताकि लद्दाख के हर क्षेत्र तक सरकारी योजनाओं और सुविधाओं की पहुंच आसान हो सके।

▶ लद्दाख की आबादी कितनी है?

लद्दाख भारत का एक बेहद कम आबादी वाला लेकिन भौगोलिक रूप से बड़ा केंद्र शासित प्रदेश है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, 2011 की जनगणना में लद्दाख की कुल आबादी लगभग 2.74 लाख से 3 लाख के आसपास दर्ज की गई थी। इसमें सबसे ज्यादा आबादी लेह और कारगिल जिलों में रहती है। लेह जिले में करीब 1.33 लाख और कारगिल जिले में लगभग 1.40 लाख लोग रहते हैं।

लद्दाख का क्षेत्रफल करीब 59,146 वर्ग किलोमीटर है, जो इसे भारत के सबसे बड़े केंद्र शासित प्रदेशों में शामिल करता है। लेकिन कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, ऊंचाई, ठंडे रेगिस्तान जैसी जलवायु और सीमावर्ती इलाका होने के कारण यहां जनसंख्या घनत्व बहुत कम है।

लद्दाख में बड़ी संख्या में बौद्ध और मुस्लिम समुदाय रहते हैं। लेह क्षेत्र में बौद्ध आबादी ज्यादा है, जबकि कारगिल में मुस्लिम समुदाय का प्रभाव अधिक है। यहां की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से पर्यटन, सेना से जुड़ी गतिविधियों, कृषि और पशुपालन पर आधारित है।

नए जिलों के गठन के बाद प्रशासनिक डेटा और जनसंख्या प्रबंधन अधिक व्यवस्थित हो सकता है। इससे दूरदराज गांवों तक सरकारी योजनाओं की पहुंच बेहतर होने की संभावना है।

▶ जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का विभाजन कैसे हुआ?

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का प्रशासनिक इतिहास भारत की राजनीति में एक बड़ा मोड़ माना जाता है। 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 और 35अ से जुड़े विशेष प्रावधानों को हटाने का फैसला लिया। इसके साथ ही संसद में जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 पारित किया गया।

इस कानून के तहत पुराने जम्मू-कश्मीर राज्य को दो अलग-अलग केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया गया। पहला बना जम्मू-कश्मीर, जिसे विधानसभा के साथ केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा मिला। दूसरा बना लद्दाख, जिसे बिना विधानसभा वाला केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया।

31 अक्टूबर 2019 से यह नया प्रशासनिक ढांचा लागू हो गया। लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग लंबे समय से चल रही थी। यहां के लोगों का मानना था कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन में लद्दाख की जरूरतों को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं मिलती थी।

लद्दाख के अलग होने के बाद प्रशासनिक फैसले सीधे केंद्र सरकार और उपराज्यपाल कार्यालय के जरिए लागू होने लगे। इससे सीमावर्ती इलाकों में रणनीतिक और प्रशासनिक फैसलों की गति बढ़ी।

▶ 5 नए जिले बनने से क्या बदलाव आएंगे?

लद्दाख में पांच नए जिले बनने से प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। अभी तक लद्दाख में केवल दो जिले थे, लेह और कारगिल। अब नुब्रा, शाम, चांगथांग, जांस्कर और द्रास को अलग जिला बनाए जाने से कुल जिलों की संख्या सात हो जाएगी।

सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि दूरदराज इलाकों के लोगों को सरकारी दफ्तरों तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। पहाड़ी और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य, शिक्षा, भूमि रिकॉर्ड, प्रमाण पत्र और सरकारी योजनाओं का लाभ तेजी से मिल सकेगा।

नए जिला मुख्यालय बनने से स्थानीय स्तर पर रोजगार भी बढ़ सकता है। प्रशासनिक कार्यालय, पुलिस व्यवस्था, स्वास्थ्य केंद्र और सरकारी ढांचे के विस्तार से स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिल सकती है।

इसके अलावा जिला स्तर पर योजनाओं की निगरानी आसान होगी। छोटे प्रशासनिक इकाइयों में फैसले जल्दी लिए जा सकते हैं। इससे गांवों और ब्लॉकों तक विकास परियोजनाएं तेजी से पहुंच सकती हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि लद्दाख जैसे बड़े और कठिन भौगोलिक क्षेत्र में छोटे जिले प्रशासन को ज्यादा प्रभावी बना सकते हैं। इससे नागरिकों और सरकार के बीच दूरी कम होगी।

'रिंकू नाम ही काफी है', लखनऊ को धूल चटाने के बाद रिंकू सिंह ने दिया दिल जीतने वाला बयान

लखनऊ के खिलाफ मैन ऑफ द मैच बने रिंकू सिंह ने कहा कि संकट के समय उनका लक्ष्य मैच को अंत तक ले जाना था। रिंकू सिंह ने इस मैच के खत्म हो जाने के बाद एक बड़ा बयान दिया है।

(जीएनएस)।

लखनऊः लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ इकाना स्टेडियम में बल्ले से तबाही मचाने और फील्डिंग में सुपरमैन बनने वाले रिंकू सिंह को उनकी जादुई पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। केकेआर को हार के मुंह से बाहर निकालकर जीत दिलाने वाले रिंकू ने मैच के बाद अपनी रणनीति और बाउंड्री पर लपके गए उस हैरतअंगेज कैच पर खुलकर बात की।

संकटमोचक नाम पर दिया प्यारा जवाब

मैच के बाद जब रिंकू सिंह से पूछा गया कि क्या अब उनका नाम बदलकर 'रिंकू संकटमोचक' रख देना चाहिए, तो उन्होंने बड़ी विनम्रता से मुस्कुराते हुए कहा, 'नहीं, रिंकू नाम ही ठीक है।' रिंकू ने बताया कि जब वह बल्लेबाजी करने आए थे, तब टीम के चार विकेट गिर चुके थे और स्थिति बेहद नाजुक थी। उनके दिमाग में सिर्फ एक ही बात चल रही थी कि कैसे खेल को अंत तक ले जाया जाए। उन्होंने अपनी रणनीति साझा करते हुए कहा कि विकेट गिरने के बाद उनका ध्यान स्कोरबोर्ड को चलाने और खराब गेंदों को बाउंड्री के बाहर भेजने पर था।

बल्लेबाजी के साथ फील्डिंग का भी दिखाया जलवा

रिंकू सिंह ने इस मैच में न केवल 83 रनों की पारी खेली, बल्कि फील्डिंग में भी चार शानदार कैच लपके। अपनी चुस्त फील्डिंग पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे बचपन से ही फील्डिंग करना बहुत पसंद है। मैं फिट हूं और मैदान पर फील्डिंग का पूरा आनंद लेता हूं।' रिंकू की फिटनेस ही थी जिसने उन्हें पूरे मैच के दौरान चौकन्ना रखा, जिसका फायदा कोलकाता को मैच के सबसे महत्वपूर्ण मौकों पर मिला।

सुपर ओवर के उस जादुई कैच की इनसाइड स्टोरी

सुपर ओवर में रोवमैन पॉवेल द्वारा उनकी ओर उछाले गए कैच को लेकर रिंकू ने एक दिलचस्प खुलासा किया। रिंकू ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैं उस कैच के लिए तैयार नहीं था। मुझे लगा था कि पॉवेल खुद ही कैच पूरा कर लेंगे, लेकिन जब उन्होंने बाउंड्री के पास से गेंद को मेरी तरफ जोर से फेंका, तब मैंने खुद को संभाला और उसे लपकने में कामयाब रहा।' रिंकू के इस कैच ने ही सुपर ओवर में लखनऊ की पारी को सिर्फ 1 रन पर समेटने में बड़ी भूमिका निभाई।

क्या 'दीदी' चौथी बार बनेंगी सीएम? मशहूर ज्योतिषी ने कर दी बड़ी भविष्यवाणी

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल में पहले चरण का मतदान गुरुवार को सफलता पूर्वक संपन्न हुआ, फर्स्ट फेज में 152 सीटों पर बंपर वोटिंग हुई है। सीएम ममता ने जहां मतदान के बाद ये कहा कि 'रक्फ की वजह से इतने ज्यादा वोट पड़े हैं, दावे के साथ कह रही हूं कि हमारी पार्टी 4 मई तो सफलतापूर्वक सत्ता में वापसी करेगी।'

तो वहीं शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि 'बंगाल में 4 मई को भाजपा की सरकार बनने जा रही है। हम कल हुए मतदान की 152 सीटों में से 110 सीटें जीत रह हैं।' आपको बता दें कि 23 अप्रैल को बंगाल में 92.64 फीसदी वोटिंग हुई है जबकि 29 अप्रैल को दूसरे चरण का मतदान के बाद चुनावी नतीजे सामने आएंगे।

फिलहाल किसके दावे सच निकलते हैं? ये तो चुनावी नतीजों से पता चलेगा लेकिन इसी बीच देश के जाने-माने ज्योतिषी विवेक त्रिपाठी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वो धर्मज्ञान चैनल पर ममता बनर्जी के आने वाले समय को लेकर बड़ी भविष्यवाणी करते नजर आ रहे हैं।

चुनौती भरा है साल 2026'

उन्होंने अपनी गणना के आधार पर बताया है कि 'ममता बनर्जी इस साल के चुनाव में सफल नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के

सिग्नेचर से पता चलता है कि वो एक डिप्लोमेटिक महिला हैं और उनका अच्छा वक्त बीत चुका है और आना वाल समय अब उन्हें डाउनफॉल की ओर लेकर जाएगा।'

'2026 का चुनाव ममता बनर्जी नहीं जीत पाएंगी', ज्योतिषी का दावा

विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि 'उट ममता का सिग्नेचर बता रहा है कि ये लोग अपनी इरादों के काफी पक्के होते हैं और इनका शादी-शुदा जीवन या तो होता नहीं या फिर लंबा चलता नहीं। ममता बनर्जी के मामले में ये बात पूरी तरह से सही साबित होती है।'

उन्होंने कहा कि 'इनके सिग्नेचर ये भी इंगित कर रहा है कि जनवरी 2026 के बाद से इनका टाइम अच्छा नहीं चल रहा और साल 2028 से ये बीमार भी रहेंगी इसलिए मैं दावे के साथ कह रहा हूं कि साल 2026 का चुनाव ममता बनर्जी नहीं जीत पाएंगी और बीजेपी की बंगाल पर शानदार विजय होगी।'

कौन हैं विवेक त्रिपाठी?

विवेक त्रिपाठी देश के जाने माने ज्योतिषी, हैं, इनकी किसी के सिग्नेचर को देख कर उसके आने वाले कल के बारे में बताने की कला अपने आप में अद्भुत है। ये सोशल मीडिया पर भी बहुत ज्यादा लोकप्रिय हैं। उनकी विशेषता यह मानी जाती है कि वे जटिल ज्योतिषीय अवधारणाओं को सरल भाषा में समझाते हैं, जिससे आम लोग अपनी समस्याओं को समझें और अच्छे से उससे निपटें।

सिग्नेचर एस्ट्रोलॉजी क्या है?

सिग्नेचर का अर्थ है विशेष पहचान। इसका मतलब है कि हर व्यक्ति की कुंडली में कुछ खास पैटर्न, योग या ग्रहों की स्थिति होती है, जो उसके जीवन का सिग्नेचर बनाती है। यह पारंपरिक ज्योतिष शास्त्र को समझाने का एक मॉडर्न और पर्सनलाइज्ड तरीका है, जिसमें ज्योतिषी हर व्यक्ति की कुंडली को यूनिक मानते हुए पर्सनलाइज्ड एनालिसिस करते हैं और जीवन की समस्याओं के लिए कस्टमाइज्ड उपाय देते हैं। ममता बनर्जी का बतौर सीएम अब तक का सफर निम्नलिखित है। पहला कार्यकालः 20 मई 2011 - 26 मई 2016 दूसरा कार्यकालः 27 मई 2016 - 4 मई 2021 तीसरा कार्यकालः 5 मई 2021 - वर्तमान (अब तक)

कौन है वह लड़की जिसने खींचा अभिषेक शर्मा का हाथ? क्यों की थी ऐसी हरकत, खुद सामने आकर दी सफाई

(जीएनएस)।

सनराइजर्स हैदराबाद के धुआंधार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया के हर प्लेटफॉर्म पर छाया हुआ है जिसमें एक लड़की भीड़ के बीच उनका हाथ खींचती नजर आ रही है। इस वीडियो के सामने आने के बाद क्रिकेट प्रेमी काफी भड़क गए और लड़की की पहचान को लेकर सवाल उठने लगे।

जांच-पड़ताल के बाद सामने आया कि अभिषेक शर्मा का हाथ खींचने वाली लड़की का नाम हिमशिखा त्रिपाठी है जो खुद को अभिषेक का बहुत बड़ा प्रशंसक बताती है। उसने इस पूरी घटना का वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था जिस पर बाद में विवाद खड़ा हो गया।

घटना के पीछे की पूरी सच्चाई

इस वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि अभिषेक शर्मा सुरक्षा घेरे में आगे बढ़ रहे थे तभी हिमशिखा ने अचानक उनका हाथ पकड़कर अपनी ओर जोर से खींच लिया। इस अप्रत्याशित हरकत से अभिषेक काफी असहज दिखे और सुरक्षाकर्मियों को तुरंत बीच-बचाव करना पड़ा। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस व्यवहार को गलत बताया और इसे खिलाड़ी की प्राइवेसी का उल्लंघन करार दिया। विवाद को बढ़ता देख और लोगों की नाराजगी को देखते हुए हिमशिखा ने आखिरकार अपनी चुप्पी तोड़ी और

एक लंबा स्पष्टीकरण जारी किया।

सफाई में लड़की ने पेश किया अपना पक्ष

हिमशिखा ने अपनी सफाई में कहा है कि चीजें हमेशा वैसी नहीं होती जैसी इंटरनेट पर दिखाई देती हैं। उसने बताया कि वह अभिषेक शर्मा की तब से प्रशंसक है जब वह इतने ज्यादा मशहूर भी नहीं हुए थे। उस दिन वह केवल उनसे हाथ मिलाना चाहती थी लेकिन वहां बहुत ज्यादा भीड़ थी। भीड़ के दबाव और धक्का-मुक्की के बीच रास्ता बनाने की कोशिश में उसने गलती से हाथ मिलाने के बजाय उनका हाथ पकड़ लिया। हिमशिखा का कहना है कि यह सब इतनी जल्दी हुआ कि उसे कुछ समझ नहीं आया और वह घबरा गई थी जिसके तुरंत बाद उसके भाई ने उसे पीछे खींच लिया था।

नफरत न फैलाने की अपील और माफी

अपने नोट में उसने आगे लिखा कि उसने उस पल को खास मानकर वीडियो पोस्ट किया था और उसे बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी कि यह इस तरह वायरल हो जाएगा या लोग इसका गलत मतलब निकालेंगे। हिमशिखा ने दुख जताते हुए कहा कि लोग बिना सच्चाई जाने उसके बारे में राय बना रहे हैं और नफरत फैला रहे हैं जो उसे काफी परेशान कर रहा है। उसने साफ किया कि उसका इरादा कभी भी गलत नहीं था। अंत में उसने यह कहते हुए माफी मांगी कि अगर उसकी इस हरकत से किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है तो उसे इसका खेद है और उसने इसे केवल एक क्रेजी फैन मोमेंट बताया।

क्या फिर 'गुड न्यूज' देने वाली हैं बेबो? करीना कपूर के वायरल वीडियो को देख फैंस हुए शॉक

(जीएनएस)।

सोशल मीडिया पर इन दिनों करीना कपूर खान को लेकर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने फैंस के बीच हलचल बढ़ा दी है। वीडियो में करीना का लुक और उनका अंदाज देखकर कई यूजर्स यह कयास लगाने लगे कि शायद वह एक बार फिर मां बनने वाली हैं। देखते ही देखते यह क्लिप इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गई।

कमेंट सेक्शन में "गुड न्यूज" से लेकर तीसरी प्रेग्नेंसी तक की बातें शुरू हो गईं। इतना ही नहीं, तैमूर अली खान की एक पुरानी तस्वीर भी वायरल होने लगी, जिसमें वह एक न्यूबॉर्न बेबी को गोद में लिए नजर आ रहे हैं। इसके बाद करीना की तीसरी प्रेग्नेंसी की अफवाहों ने और जोर पकड़ लिया।

फिर से आने वाली है करीना के घर खुशखबरी?

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे देखकर लोगों को साफ तौर पर लग रहा था कि करीना कपूर खान प्रेग्नेंट हैं। वीडियो सामने आते ही फैंस के मन में कई सवाल उठने लगे- क्या वह तीसरी बार मां बनने वाली हैं? इस क्लिप को देखकर यूजर्स लगातार कयास लगाने लगे और कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की बातें शुरू हो गईं। किसी ने इसे "गुड न्यूज" बताया तो कोई इसे लेकर कन्फ्यूज नजर आया।

हालांकि, बाद में इस वायरल वीडियो की सच्चाई सामने आई और सारी अटकलों पर विराम लग गया। दरअसल, यह वीडियो साल 2016 का है, जब करीना अपने पहले बच्चे को कंसीव कर चुकी थीं और उसी दौरान की उनकी झलक है। यानी फिलहाल उनकी प्रेग्नेंसी को लेकर जो बातें वायरल हो रही हैं, वे पूरी तरह भ्रामक हैं और पुरानी वीडियो की वजह से फैल रही हैं।

दो बच्चों की मां करीना को लेकर क्यों उड़ रही हैं प्रेग्नेंसी की अफवाहें

सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो ने अचानक हलचल मचा दी है, जिसे देखकर लोग दावा करने लगे कि करीना कपूर खान ने अपने तीसरे बच्चे को जन्म दे दिया है। वीडियो के साथ एक तस्वीर भी तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें तैमूर अली खान एक न्यूबॉर्न बेबी को गोद में लिए नजर आ रहे हैं। इस क्लिप और तस्वीर को देखकर यूजर्स तरह-तरह के कयास लगाने लगे और सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई।

हालांकि, बाद में इस वायरल तस्वीर और वीडियो की सच्चाई सामने आई और पता चला कि यह फोटो करीब एक साल पुरानी है, जिसे उनकी फ्रेंड नैना शॉनी ने क्लिक किया था। यानी यह दावा पूरी तरह भ्रामक निकला और करीना की तीसरी प्रेग्नेंसी की खबर सिर्फ अफवाह साबित हुई।

जब 'नवाब' और 'बेबो' ने रचाई थी शाही शादी

16 अक्टूबर 2012 को सैफ अली खान ने अभिनेत्री करीना कपूर खान से लगभग पांच साल के रिलेशनशिप के बाद मुंबई के बांद्रा में एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी की। इसके बाद इस कपल ने मुंबई के ताज महल पैलेस होटल और दिल्ली के लुटियंस बंगला जोन में भव्य रिसेप्शन भी होस्ट किया,

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

भीषण गर्मी से झुलस रहा लखनऊ, पारा 44 डिग्री के करीब- राहत के लिए बनाए गए कूलिंग पॉइंट, बिजली व्यवस्था पर भी असर

लखनऊ में भीषण गर्मी से हालात बिगड़ गए हैं। तापमान 44 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है, जिससे जनजीवन प्रभावित है। राहत के लिए कूलिंग पॉइंट बनाए गए हैं।

(जीएनएस)।

राजधानी लखनऊ इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। तेज धूप और लगातार बढ़ते तापमान ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि सुबह से ही चिलचिलाती धूप लोगों को घरों में कैद रहने पर मजबूर कर रही है। मौसम विभाग के अनुसार, शहर में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे गर्मी का प्रकोप और बढ़ सकता है।

सुबह से ही तपने लगा शहर

लखनऊ में सुबह के समय से ही तेज धूप निकल रही है। जैसे-जैसे दिन चढ़ता है, गर्मी का असर और अधिक बढ़ जाता है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ दिखाई देता है और लोग जरूरी काम के अलावा बाहर निकलने से बच रहे हैं। गर्मी के कारण लोगों में बेचैनी, थकान और चिड़चिड़ापन बढ़ रहा है। खासकर बुजुर्ग, बच्चे और बाहर काम करने वाले लोग इस गर्मी से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

नगर निगम की पहलः कूलिंग पॉइंट

भीषण गर्मी से राहत देने के लिए नगर निगम ने शहर के प्रमुख स्थानों पर कूलिंग पॉइंट बनाए हैं। लालबाग और 1090 चौराहे पर बनाए गए इन कूलिंग पॉइंट्स पर लोगों के लिए कूलर, पंखे, ठंडा पानी और गुड़ की व्यवस्था की गई है। इन केंद्रों पर

राहगीरों और जरूरतमंद लोगों को गर्मी से राहत मिल रही है। नगर निगम का कहना है कि यदि जरूरत पड़ी तो ऐसे और कूलिंग पॉइंट्स भी बनाए जाएंगे।

बिजली व्यवस्था पर दबाव

तेज गर्मी का असर बिजली व्यवस्था पर भी साफ दिखाई दे रहा है। तापमान बढ़ने के कारण ट्रांसफॉर्मर ओवरहीट हो रहे हैं, जिससे कई जगहों पर बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। बिजली विभाग ने ट्रांसफॉर्मरों को ठंडा रखने के लिए पंखों का सहारा लिया है। इसके बावजूद कई इलाकों में लो वोल्टेज की समस्या सामने आ रही है, जिससे लोगों को अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पानी की बढ़ी मांग

गर्मी के कारण पानी की मांग भी काफी बढ़ गई है। लोग दिनभर ठंडा पानी और अन्य पेय पदार्थों का सेवन कर रहे हैं, जिससे जलापूर्ति पर भी दबाव बढ़ा है। कई क्षेत्रों में पानी की कमी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं।

स्वास्थ्य पर असर

डॉक्टरों के अनुसार, इस तरह की भीषण गर्मी में लू लगने का खतरा काफी बढ़ जाता है। लक्षणों में सिरदर्द, चक्कर आना, उल्टी और तेज बुखार शामिल हैं। डॉक्टर शीला श्रीवास्तव ने लोगों को सलाह दी है कि वे दोपहर के समय घर से बाहर निकलने से बचें और पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें। साथ ही हल्के और ढीले कपड़े पहनने की भी सलाह दी गई है।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान

मौसम विभाग के मुताबिक, फिलहाल गर्मी से राहत मिलने की संभावना कम है। आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में हल्के बादल छाने की संभावना जताई गई है, लेकिन इससे तापमान में ज्यादा गिरावट की उम्मीद नहीं है।

जनजीवन पर व्यापक असर

भीषण गर्मी का असर हर वर्ग पर दिखाई दे रहा हैः

बाजारों में भीड़ कम हो गई है

स्कूल-कॉलेजों में उपस्थिति प्रभावित हो रही है

दिहाड़ी मजदूरों के लिए काम करना मुश्किल हो गया है

ट्रैफिक और सार्वजनिक परिवहन में भी कमी देखी जा रही है

प्रशासन की तैयारी

प्रशासन ने गर्मी से निपटने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। अस्पतालों में विशेष वार्ड तैयार किए गए हैं और एंबुलेंस सेवाओं को अलर्ट पर रखा गया है। साथ ही, लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाए जा रहे हैं।

कैसे करें बचाव

दोपहर 12 से 3 बजे के बीच बाहर निकलने से बचें

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं

धूप में निकलते समय सिर ढकें

हल्के और सूती कपड़े पहनें

बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें

मुंबई-सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस पटरी से उतरी, पुणे रेलवे स्टेशन पर कैसे हुआ ये हादसा?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के पुणे स्थित रेलवे स्टेशन में प्रवेश करते समय मुंबई-सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस सोमवार को पटरी से उतर गई। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। इस घटना में किसी भी यात्री को चोट नहीं आई।

पुणे स्टेशन में एंट्री करते हुए ट्रेन पटरी से उतरी

सेंट्रल रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. स्वप्निल नीला के अनुसार, मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से सोलापुर जा रही वंदे भारत ट्रेन का चौथा कोच सोमवार रात करीब 7:30 बजे पुणे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म में एंटी करते समय 'डायमंड क्रॉसिंग' पर पटरी से उतरा, जिससे उसकी एक ट्रॉली प्रभावित हुई।

कैसे हुआ ये हादसा?

रेलवे के पीआरओ ने बताया

डायमंड क्रॉसिंग वह ट्रैक लेआउट है जहां दो पटरियां एक कोण पर मिलकर हीरे का आकार बनाती हैं, जिससे ट्रेनें लाइन बदले बिना गुजर सकती हैं। अधिकारियों ने यह भी बताया कि पुणे स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग के तहत इस क्रॉसिंग के अपग्रेडेशन की योजना पहले से ही तैयार थी।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने कहा, "यात्रियों को दूसरी रेक में स्थानांतरित किया जा रहा है। इस डायमंड क्रॉसिंग को प्राथमिकता पर बदला जा रहा है, और भारतीय रेलवे में ऐसे ही अन्य गैर-मानक डायमंड क्रॉसिंग भी बदले जा रहे हैं।"

महाराष्ट्र में संचालित हो रही 11 वंदे भारत एक्सप्रेस

वर्तमान में, महाराष्ट्र में 11 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें पुणे-कोल्हापुर, पुणे-हुबली, सोलापुर-मुंबई, मुंबई-शिर्डी, मुंबई-गोवा, पुणे-नागपुर, मुंबई-नांदेड़ और नागपुर-बिलासपुर जैसे कई मार्गों पर संचालित हैं।

भाजपा नेता के भाई-भतीजे के हत्यारोपियों से मुठभेड़, पुलिस ने 'लंगड़ा' का दबोचा!

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में इखढ नेता के भाई, भतीजे और चचेरे भाई की बेरहमी से हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई। सोमवार 27 अप्रैल की सुबह करीब 5:30 बजे पुलिस ने मुख्य आरोपी मयंक सैनी को मुठभेड़ में घायल करके गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के बाएं पैर में गोली मारकर उसे 'लंगड़ा' कर दिया गया, ताकि वह भाग न सके। हालांकि, इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी बसपा पूर्व नगर अध्यक्ष जीतू सैनी अभी फरार है।

यह पूरा मामला न सिर्फ एक हत्याकांड है, बल्कि छोटी-सी बात पर भड़कने वाली हिंसा, अवैध हथियारों और स्थानीय राजनीतिक रस्साकशी का भी उदाहरण बन गया है। पुलिस की तेज कार्रवाई ने दिखाया कि यूपी में कानून व्यवस्था को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति कितनी सख्ती से लागू हो रही है। आइए इस घटना को विस्तार से समझते हैं कि क्या हुआ, कैसे हुआ और आगे क्या होगा?

वारदात की सच्ची कहानी: केक का मजाक बना मौत का सबब

मामला जिले स्थित खुर्जा नगर इलाके का है। यहां 25 अप्रैल की देर रात फखर फिटनेस जिम में जीतू सैनी (30) का जन्मदिन मनाया जा रहा था। जीतू, जो बसपा का पूर्व नगर अध्यक्ष रहा है, जिम संचालक भी हैं और स्थानीय स्तर पर काफी चर्चित चेहरा। पार्टी में उनके दोस्त और परिचित शामिल थे। वार्ड नंबर 24 के इखढ सभासद संजय सैनी के भाई मनीष सैनी (30), भतीजे आकाश सैनी (19) और चचेरे भाई अमरदीप सैनी (32) भी पार्टी में शामिल होने गए थे।

चश्मदीदों के मुताबिक, जश्न के दौरान अमरदीप सैनी ने मजाक में जीतू के चेहरे पर केक लगा दिया। यह छोटा-सा मजाक पहले कहासुनी में बदल गया। गाली-गलौज शुरू हुई। जीतू भड़क गए। थोड़ी देर बाद उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर तीनों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी।

गोलीबारी इतनी तेज थी कि तीनों युवक मौके पर ही ढेर हो गए। जिम संचालक और मनीष सैनी के दोस्त रूपेश सैनी ने तुरंत संजय सैनी को फोन कर घटना की सूचना दी। संजय सैनी आनन-फानन में पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

पुलिस की 'सर्जिकल स्ट्राइक': रात 3 बजे गिरफ्तारी, सुबह 5:30 बजे मुठभेड़

पुलिस को इस मामले में बड़ी सफलता मिली। खुर्जा नगर थाना क्षेत्र के सुभाष रोड पर सोमवार सुबह हुई मुठभेड़ में मयंक सैनी को दबोच लिया गया। सर्किल ऑफिसर (सीओ) शोभित कुमार ने विस्तार से बताया कि रात करीब 3 बजे मयंक सैनी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि वारदात में इस्तेमाल किया गया देसी तमंचा फ्लाईओवर के नीचे छिपाया हुआ है। हम सुबह 5 बजे उसकी निशानदेही पर फ्लाईओवर के नीचे पहुंचे। तभी मयंक ने एक पुलिसकर्मी को धक्का देकर तमंचा उठा लिया और भागने की कोशिश में फायरिंग कर दी।

पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। गोली मयंक के बाएं पैर में लगी। वह घायल हो गया। पुलिसकर्मियों ने उसे कंधों पर उठाकर गाड़ी तक पहुंचाया और तुरंत जिला अस्पताल भर्ती कराया। मौके से अवैध तमंचा और एक खोखा कारतूस भी बरामद किया गया। इस मुठभेड़ ने साबित कर दिया कि पुलिस आरोपी को भागने का कोई मौका नहीं देना चाहती थी।

अभी तक पुलिस ने इस मामले में 2 लोगों को गिरफ्तार और 2 को हिरासत में लिया है। मुख्य आरोपी जीतू सैनी फरार है। कुल 10 लोगों के खिलाफ ऋक्ष दर्ज की गई है, जिसमें हत्या, दंगा और अवैध हथियार रखने जैसे गंभीर धाराएं शामिल हैं।

जिम पर बुलडोजर की तैयारी: अवैध निर्माण का नोटिस

पुलिस कार्रवाई के साथ-साथ प्रशासन भी सक्रिय हो गया है। जिस जिम में यह वारदात हुई, उसे बुलंदशहर विकास प्राधिकरण (इऊअ) ने पहले ही सील कर दिया है। जिम के बाहर अवैध निर्माण का नोटिस चस्पा कर दिया गया। जिम मालिक को दस्तावेज जमा करने के लिए आज दोपहर 12 बजे तक का समय दिया गया है। अगर नक्शा स्वीकृत नहीं पाया गया तो आज ही बुलडोजर चलेगा।

इतना ही नहीं, आरोपियों के घरों पर भी इऊअ आज नोटिस चस्पा कर 24 घंटे का समय देगा। यह कार्रवाई अवैध निमार्णों के खिलाफ सख्त रुख का संकेत है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिम का निर्माण नियमों की अनदेखी कर किया गया था, जो अब प्रशासन की नजर में आ गया।

यह मामला सिर्फ आपराधिक नहीं, बल्कि राजनीतिक रंग भी ले चुका है। मारे गए तीनों इखढ सभासद संजय सैनी के परिवार के सदस्य थे। वहीं मुख्य आरोपी जीतू सैनी बसपा के पूर्व नगर अध्यक्ष रह चुका है। दोनों गुटों के बीच पहले से ही स्थानीय स्तर पर तनाव की खबरें थीं। हालांकि, पुलिस अभी इसे व्यक्तिगत विवाद बता रही है, लेकिन स्थानीय राजनीतिक जानकार इसे क्षेत्रीय दबदबे की लड़ाई से भी जोड़ रहे हैं। संजय सैनी ने स्पष्ट कहा कि उनका परिवार सिर्फ पार्टी में शामिल होने गया था। कोई पुरानी दुश्मनी नहीं थी। फिर भी, यह घटना यूपी की सैनी बिरादरी के अंदर की खींचतान को उजागर करती है।

क्यों छोटी बात पर हिंसा? यूपी पुलिस की रणनीति क्या कहती है?

यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि छोटी-सी बात, जैसे केक लगाना - कैसे अहंकार, शराब और अवैध हथियारों के मिश्रण से खूनी संघर्ष में बदल जाती है। बुलंदशहर जैसे इलाकों में जिम और पार्टी स्पॉट अक्सर युवाओं के जमावड़े का केंद्र होते हैं। जहां दोस्ती का मजाक अचानक दुश्मनी बन जाता है।

यूपी पुलिस की इस मुठभेड़ ने राज्य की 'एनकाउंटर पॉलिसी' को फिर याद दिलाया। जब आरोपी पुलिस पर हमला करता है और भागने की कोशिश करता है, तो जवाबी कार्रवाई की जाती है। सीओ शोभित कुमार का बयान साफ है - पुलिस ने जान बचाने के लिए फायरिंग की। मयंक को अस्पताल में भर्ती कराया गया, यानी

लखनऊ में ड्राइवर ने गुटखा थूकने के लिए अचानक खोला दिया ईको वैन का दरवाजा, टकराकर स्कूटी सवार की मौत

(जीएनएस)।

लखनऊ। अयोध्या रोड स्थित यादव ढाबे के पास रविवार दोपहर ईको वैन के चालक ने गुटखा थूकने के लिए अचानक से गाड़ी का दरवाजा खोल दिया। सड़क पर स्कूटी से जा रहे स्टेशनरी व्यवसायी दरवाजे से टकरा कर सड़क पर गिरे।

उनके सिर में गंभीर चोटें आई। ईको वैन के चालक ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वैन चालक शव को छोड़कर अस्पताल से फरार हो गया। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

इंदिरा नगर के शक्ति नगर निवासी 50 वर्षीय शौनक शुक्ला स्टेशनरी व्यवसायी थे। रविवार की दोपहर वह मटियारी में अपने हास्टल पर जा रहे थे। यादव ढाबा के पास पहुंचे तभी आगे चल रही ईको कार के चालक ने गुटखा थूकने के लिए चलती गाड़ी का दरवाजा खोल दिया।

लखनऊ में 54 साल के शख्स ने लाइसेंसी पिस्टल से खुद को मारी गोली, डिप्रेशन से जूझ रहे थे

लखनऊ के हिम सिटी कॉलोनी में 54 वर्षीय जफर आजम ने लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

(जीएनएस)।

लखनऊ। मटियारी गांव के पास स्थित हिम सिटी कालोनी में रविवार शाम 54 वर्षीय जफर आजम ने लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली।

गोली की आवाज सुनकर परिवारजन कमरे में पहुंचे तो वह खून से लथपथ हालत में पड़े थे। आननफानन में उन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा के अनुसार मौके से लाइसेंसी पिस्टल बरामद हुई है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। बताया कि जफर आजम मूल रूप से आजमगढ़ जिले के कोट मोहल्ले के रहने वाले थे और हिम सिटी कालोनी में परिवार के साथ रहते थे।

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि जफर आजम काफी समय से अवसाद (डिप्रेशन) में थे और एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य घर पर ही मौजूद थे। अचानक कमरे से गोली चलने की आवाज आई, जिसके बाद यह घटना सामने आई।

स्थानीय लोगों के मुताबिक जफर आजम आर्थिक रूप से संपन्न थे और इलाके में मिलनसार व मददगार छवि के लिए जाने जाते थे। पड़ोसियों ने बताया कि वह पिछले कुछ समय से गुमसुम रहने लगे थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं।

करीबी लोगों का कहना है कि जफर आजम बेहद नेकदिल व्यक्ति थे और जरूरतमंदों की मदद करते थे। ऐसे में उनका यह कदम उठाना सभी के लिए हैरान करने वाला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है।

यूपी में गर्मी की छुट्टी 2026: गर्मी का कहर! यूपी, नोएडा, गाजियाबाद और लखनऊ के स्कूलों में गर्मी की छुट्टी कब से होगी

(जीएनएस)।

देशभर में गर्मी का सितम लगातार जारी है। कई स्थानों पर अधिकतम पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जिससे हीटवेव का अलर्ट घोषित है। आईएमडी ने कई यूपी जिलों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। बुंदेलखंड के कई जिलों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है, जिससे लोगों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते उत्तर प्रदेश के कई जिलों के स्कूलों के समय में परिवर्तन कर दिया गया है। वहीं कई जिलों में स्कूलों को एक से दो दिन बंद करने का आदेश दे दिया गया है। इस बीच छात्र व अध्यापक जानना चाहते हैं कि यूपी के स्कूल में गर्मी की छुट्टी कब है? नोएडा के स्कूल में गर्मी की छुट्टी कब है? गाजियाबाद के स्कूलों में गर्मी की छुट्टी कब है, लखनऊ के स्कूलों में गर्मी की छुट्टी कब है? वाराणसी के स्कूलों में गर्मी की छुट्टी कब है? यहां आप जान सकते हैं।

पिछले साल यानी 2025 में यूपी के स्कूलों में 20 मई से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश था। ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में परिषदीय और मान्यता प्राप्त विद्यालयों में 20 मई से गर्मी की छुट्टी रहेगी। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद

की अवकाश तालिका में यह जानकारी दी गई है। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की अवकाश तालिका में बताया गया है कि यह आदेश सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों और परिषद के नियंत्रणाधीन विद्यालयों में लागू होगा।

स्कूल 20 मई को बंद होंगे और 15 जून के बाद खुलेंगे।

वहीं गाजियाबाद के स्कूलों में गर्मी की छुट्टी की बात करें तो यहां भी विद्यालयों में 20 मई से समर वेकेशन शुरू होगा और 15 जून तक स्कूल बंद रहेंगे। इसके बाद 16 जून को स्कूल खुल सकते हैं। हालांकि यदि गर्मी कम नहीं होती है तो छुट्टी आगे बढ़ाई जा सकती है। अधिक जानकारी के लिए एक बार अपने स्कूल के प्रधानाचार्य या शिक्षक से संपर्क करें।

नोएडा के स्कूलों में गर्मी की छुट्टी की बात करें तो यहां भी विद्यालयों में 20 मई से अवकाश होगा। इसके बाद स्कूल 15 जून के बाद खुल सकते हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है। यह जानकारी पिछले साल के आंकड़ो पर आधारित है।

लखनऊ में स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियां मई 2026 के मध्य से शुरू हो सकती हैं। यहां भी समर वेकेशन जून के अंत तक चलता है। छात्रों से अनुरोध है कि समर वेकेशन के लिए अपने स्कूल के प्रधानाचार्य या अध्यापक से संपर्क करें।

'15 साल का लड़का ऐसे कैसे मार सकता है?' पाकिस्तान को नहीं पच रही वैभव सूर्यवंशी की कामयाबी! लगाया गंभीर आरोप

(जीएनएस)।

भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के दमदार प्रदर्शन ने सरहद पार खलबली मचा दी है। अपनी विवादित बयानबाजी के लिए मशहूर पाक एक्सपर्ट नौमान नियाज ने 15 वर्षीय वैभव की सफलता पर सवाल उठाते हुए दावा किया है कि वे अपने बल्ले में 'अकचिप' का इस्तेमाल कर रहे हैं।

राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी का बल्ला क्या चला, सरहद पार खलबली मच गई है। 15 साल के इस बल्लेबाज ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जयपुर में अपना दूसरा आईपीएल शतक जड़ा। इस पर पाकिस्तान के क्रिकेट विशेषज्ञ नौमान नियाज ने उन पर बेहद हैरान करने वाला आरोप लगा दिया। नियाज का दावा है कि वैभव की ताकत के पीछे उनका हुनर नहीं, बल्कि उनके बल्ले में लगी 'अकचिप' हो सकती है।

'हिंदू राष्ट्र जरूर बनेगा भारत', पत्नी के आरोपों को झेल रहे महाभारत के श्रीकृष्ण का बड़ा बयान

(जीएनएस)।

बाबा बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री की कथा प्रयागराज में आयोजित की गई। जिसमें बी.आर. चोपड़ा की 'महाभारत' के प्रसिद्ध कलाकारों ने हिस्सा लिया। हिंदू धर्म की पैरवी करते हुए भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की हमेशा बात करने वाले पंडित धीरेंद्र शास्त्री के इस कार्यक्रम में महाभारत में कृष्ण का किरदार निभाने वाले नितीश भारद्वाज भी मौजूद थे।

पिछले दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहे नितीश भारद्वाज ने इस कार्यक्रम में भगवत गीता का जिक्र कर हिंदू राष्ट्र की अवधारणा का समर्थन किया है। इसके साथ ही हिंदू धर्म की रक्षा और देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की पैरवी की।

नितीश भारद्वाज ने भगवद् गीता का श्लोक का जिक्र करते बोली ये बात

नितीश भारद्वाज ने इस कार्यक्रम में कहा, "मित्रों, महाभारत आज भी चल ही रही है। लेकिन अलग तरह की चल रही है। धर्म की रक्षा की आवश्यकता फिर से पड़ गई है। ये कलियुग है।" श्रीमद्भगवद्गीता का श्लोक याद दिलाते हुए कहा, "इस समय जब धर्म रक्षा और विजय की आस लेकर तुम्हारे सामने खड़ा है, ऐसे समय में निराशा के भाव को अपने मन में आने नहीं देना है। आज धर्म पर टिप्पणी करने की हिम्मत होती।

"हिंदू धर्म बांटने का काम नहीं करता"

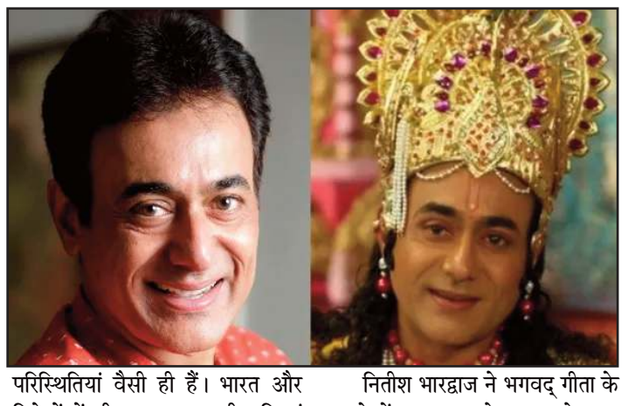

परिस्थितियां वैसी ही हैं। भारत और विदेशों में भी। तरह-तरह की शक्तियां काम कर रही हैं। हिंदू धर्म पर आक्रमण हो रहा है।"

"केवल एक धर्म है - हिंदू धर्म"

नितीश भारद्वाज ने इस बात पर जोर दिया कि "जो आदि-अनादि काल से चला आ रहा है वो केवल एक धर्म है - हिंदू धर्म।" भारद्वाज ने स्पष्ट किया कि इस संस्कृति का अस्तित्व बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है, और यदि सनातन वैदिक हिंदू व्यवहार नहीं होता तो अन्य धर्म यहां फलते-फूलते नहीं, न ही आज इनकी हिंदू इस कार्यक्रम में मौजूद थे। उन्होंने भी कहा ऐसी सभाएं हिंदू समाज की जागृति का प्रतीक हैं और भारत निश्चित रूप से एक हिंदू राष्ट्र बनेगा। उन्होंने लोगों, विशेषकर माता-पिता से अपील की कि वे अपने बच्चों को धर्म के बारे में आवश्यक जानकारी दें। उन्होंने लव-जिहाद और जबरन धर्म परिवर्तन के मामलों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि बहू-बेटियों को बहलाकर उनका धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है, जिससे सतर्क रहने की जरूरत है, और किसी भी स्थिति में ऐसा नहीं होने देना चाहिए।

नितीश भारद्वाज और पत्नी के बीच क्या है विवाद?

नितीश भारद्वाज इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर विवादों में रहे हैं। उनकी दूसरी पत्नी, कस्टम अधिकारी स्मिता गेट के साथ लंबे समय से वैवाहिक विवाद चल रहा है, जो तलाक और बच्चों की कस्टडी तक पहुंच चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारद्वाज ने पत्नी पर मानसिक उत्पीड़न और उन्हें अपनी जुड़वां बेटियों से दूर रखने के आरोप लगाए, यहां तक कि पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई। वहीं उनकी पत्नी ने इन आरोपों को "झूठा और दुर्भावनापूर्ण" बताते हुए पलटवार किया।

"दुर्योधन' का किरदार निभाने वाले पुनीत इस्सर क्या बोले?

महाभारत में 'दुर्योधन' का किरदार निभाने वाले पुनीत इस्सर भी नितीश भारद्वाज ने भगवद् गीता के उपदेशों का उल्लेख करते हुए समझाया कि हिंदू धर्म बांटने का काम नहीं करता, बल्कि प्रेम का संदेश देता है। उन्होंने कहा, "इसलिए हमारे बीच सिर्फ प्रेम होना चाहिए। जो हमसे प्रेम करेगा हम उन्हीं से करेंगे, वरना हमें छत्रपति शिवाजी महाराज भी बनना आता है। क्योंकि धर्म की रक्षा हमारा कर्तव्य है।"

लखनऊ में 60,244 आरक्षियों की दीक्षांत परेड, #यूपी पुलिस बना ग्लोबल ट्रेंड

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीक्षांत परेड की सलामी ली, सोशल मीडिया पर यूपी पुलिस का हैशटैग विश्व में नंबर 1 ट्रेंड रहा.

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश राज्य में रविवार को लखनऊ पुलिस लाइंस में वर्ष 2025 में भर्ती 60,244 आरक्षी नागरिक पुलिस की भव्य दीक्षांत परेड आयोजित हुई. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परेड की सलामी ली और नवआरक्षियों का उत्साहवर्धन किया. इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आरक्षियों को सम्मानित भी किया गया.

परेड से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो सभी जिलों की पुलिस इकाइयों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर #UPPolice हैशटैग के साथ साझा किए गए. यह हैशटैग कुछ ही घंटों में विश्व स्तर पर नंबर 1 ट्रेंड पर पहुंच गया और लगभग 4 घंटे तक शीर्ष पर बना रहा.

पुलिस विभाग के अनुसार इस अभियान में 64 हजार से अधिक पोस्ट किए गए, जिनकी रीच लगभग 64 मिलियन रही. कुल व्यूज 5.58 लाख और इंप्रेशन 1.13 बिलियन दर्ज किए गए. यह आयोजन यूपी पुलिस की डिजिटल उपस्थिति का बड़ा उदाहरण माना जा रहा है.

लखनऊ शताब्दी एक्सप्रेस वाया मुरादाबाद हुई लेट, भीषण गर्मी में ढाई घंटे तक फंसे रहे यात्री

लखनऊ में शताब्दी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें घंटों देरी से चल रही हैं. ऐशबाग स्टेशन पर आग लगने से हड़कंप मच गया.

(जीएनएस)।

लखनऊः कानपुर में गंगा नदी के पुल पर चल रहे मरम्मत कार्य की वजह से शताब्दी एक्सप्रेस वाया मुरादाबाद लखनऊ पहुंच रही है. यह वीआइपी ट्रेन सोमवार को मुरादाबाद रेल मंडल में बंचिंग (क्षमता से अधिक ट्रेनें होने) के कारण फिर फंस गई. इसके चलते शताब्दी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय दोपहर एक बजे के स्थान पर ढाई घंटे की देरी से 3:30 बजे लखनऊ पहुंची. प्रचंड गर्मी के बीच यात्रियों को स्टेशन पर लंबा इंतजार करना पड़ा और लखनऊ से रवाना होते समय भी ट्रेन डेढ़ घंटे लेट रही.

शताब्दी एक्सप्रेस की लेटलतीफी से यात्री बेहालः कानपुर पहुंचने तक शताब्दी एक्सप्रेस का विलंब बढ़कर ढाई घंटे तक पहुंच गया, जिससे यात्रियों की मुश्किलें बढ़ गईं. इसी तरह जबलपुर से लखनऊ आने वाली चित्रकूट एक्सप्रेस को भी भीमसेन स्टेशन पर काफी देर तक रोका जा रहा है. अन्य ट्रेनों की बात करें तो

सहरसा गरीब रथ एक्सप्रेस 11 घंटे, दरभंगा स्पेशल नौ घंटे और गोरखपुर-मुंबई स्पेशल करीब छह घंटे की देरी से चल रही हैं. बरौनी स्पेशल 5:30 घंटे और संख्या 07076 स्पेशल भी पांच घंटे पिछड़कर संचालित हो रही हैं.

अउ खराब होने से कोच में मचा हंगामाः ट्रेन संख्या 15017 काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस के कोच बी-8 का एसी काम नहीं करने से यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा. यात्री शैलेश सिंह ने इसकी लिखित शिकायत दर्ज कराई है, जिस पर विभाग जांच की बात कह रहा है. इसी तरह मेरठ जाने वाली राज्यरानी एक्सप्रेस में भी एसी बंद होने की शिकायतें यात्रियों द्वारा दर्ज कराई गईं. रेलवे प्रशासन इन तकनीकी खामियों को दूर करने का प्रयास कर रहा है ताकि गर्मी में यात्रियों को राहत मिल सके.

ऐशबाग स्टेशन पर पैनल में लगी आगः ऐशबाग स्टेशन के पैदल पुल पर सोमवार सुबह करीब नौ बजे एक इलेक्ट्रिक पैनल में अचानक आग लग गई. इस घटना के कारण स्टेशन का कोच गाइडेंस सिस्टम कुछ समय के लिए पूरी तरह बंद हो गया था. रेलकर्मियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए तत्काल अग्निशमन उपकरणों से आग पर काबू पाया और स्थिति को बिगड़ने से रोका. दोपहर बाद नया पैनल लगाकर व्यवस्था को बहाल कर दिया गया, जिससे यात्रियों को ट्रेनों की स्थिति की जानकारी फिर से मिलने लगी.

अयोध्या के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालनः रेलवे अयोध्या जाने और वापस आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मंगलवार को अनारक्षित बोगियों वाली विशेष ट्रेनें संचालित करेगा. ट्रेन संख्या 04232 मंगलवार सुबह 10 बजे लखनऊ से रवाना होकर बाराबंकी और रुदौली होते हुए दोपहर एक बजे अयोध्या धाम पहुंचेगी. वापसी में 04231 स्पेशल शाम 5:15 बजे अयोध्या से चलकर रात 9:30 बजे लखनऊ वापस आएगी. इसके अलावा एक अन्य स्पेशल ट्रेन 04227 अयोध्या से सुलतानपुर और रायबरेली होकर रात 8:30 बजे लखनऊ पहुंचेगी.

गंगा एक्सप्रेसवे से प्रयागराज, लखनऊ होते हुए गाजियाबाद जाने वालों को मिलेगा फायदा, होगी समय की बचत

गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन से यात्रियों मिलेगी बड़ी राहत.

(जीएनएस)।

लखनऊः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 अप्रैल को गंगा एक्सप्रेसवे का अपने हाथों से उद्घाटन करेंगे, जिसके शुरू होने से यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी. 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे मेरठ से प्रयागराज तक जाता है और साथ ही 12 जिलों को जोड़ता है, इसके अलावा कई अन्य जिलों को भी इनडायरेक्टइस जोड़ता है, जिनमें गाजियाबाद सबसे प्रमुख है. हालांकि, गाजियाबाद एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़ा नहीं है, इसके बावजूद हापुड़ के रास्ते गाजियाबाद जाने में दो घंटे समय की बचत होगी.

गंगा एक्सप्रेसवे से हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली और प्रतापगढ़ जैसे शहरों को लाभ मिलेगा, इसके अलावा प्रयागराज और लखनऊ से गाजियाबाद जाने वाले लोगों को भी समय की बचत होगी.

हापुड़ के रहने वाले बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी ने बताया कि एक्सप्रेसवे से सफर करने में करीब दो घंटे की बचत होगी. पहले प्रयागराज से गाजियाबाद पहुंचने में 10 से 12 घंटे लग जाते थे. पुरानी सड़कों पर ट्रैफिक जाम के कारण समय ज्यादा लगता था. अब गंगा एक्सप्रेसवे पर 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से सफर आसान हो जाएगा. प्रयागराज से लखनऊ होते हुए या सीधे हापुड़ होते हुए गाजियाबाद पहुंचा जा सकता है.

उन्होंने बताया कि हापुड़ से गाजियाबाद का रूट अब बहुत आसान हो गया है, गंगा एक्सप्रेसवे पर हापुड़ के पास अच्छा इंटरचेंज बनाया गया है. यहां से सीधे ठल्ल-9 पर निकलकर गाजियाबाद पहुंचा जा सकता है. यह रास्ता चौड़ा, सिग्नल-फ्री और कम भीड़भाड़ वाला है. छोटी दूरी में तेज गाड़ी चलाने से समय बचता है. व्यापारी, तीर्थयात्री और रोजाना आने जाने वाले लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा. उन्होंने बताया कि हापुड़ क्षेत्र को 'मिनी नोएडा' बनाने की भी योजना है, जिससे इलाका और विकसित होगा.

दूसरी ओर, यमुना एक्सप्रेसवे से नोएडा होते हुए गाजियाबाद पहुंचना अब भी दूश्वारियों से भरा है, यमुना एक्सप्रेसवे पर नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में भारी ट्रैफिक रहता है. परी चौक और कसाना जैसे चौराहों पर हमेशा जाम रहता है.

नोएडा से गाजियाबाद जाने के लिए स्थानीय सड़कों, घनी आबादी वाले इलाकों और कई सिग्नलों से गुजरना पड़ता है. शाम के समय या वीकेंड पर यह रूट और भी मुश्किल हो जाता है. इससे समय बर्बाद होता है और थकान बढ़ती है. कई बार रेस्ट लेना पड़ता है, जो यात्रा को लंबा कर देता है.

अवनीश कुमार त्यागी ने बताया कि, न केवल गाजियाबाद बल्कि बागपत, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर को भी गंगा एक्सप्रेसवे से फायदा मिलेगा, यह एक्सप्रेस वे यूपी की लाइफ लाइन है.

'मथुरा एसपी को गिरफ्तार करके पेश करे पुलिस', 11 साल पुराने केस में अदालत का आदेश

(जीएनएस)।

मथुरा में एसपी (क्राइम) अवनीश मिश्रा के खिलाफ अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है. वारंट लखनऊ की एडीजे कोर्ट ने जारी किया. कोर्ट ने अपने आदेश की कॉपी एसएचओ कृष्णा नगर, संबंधित डीसीपी, पुलिस कमिश्नर लखनऊ, डीजीपी और एसएसपी मथुरा को भेजने का आदेश दिया है. अदालत ने अपने आदेश में एसपी क्राइम मथुरा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने को कहा है. मामले की अगली सुनवाई के 16 मई को होगी.

लखनऊ. अदालत के आदेशों के अवहेलना किसी को भी भारी पड़ सकती है, भले वो किसी जिले का पुलिस कप्तान ही क्यों ही न हो. मथुरा में तैनात एसपी क्राइम अवनीश मिश्रा के साथ यही हुआ. उनके खिलाफ अदालत ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है. दहेज हत्या के 11 साल पुराने मामले में गवाही के लिए बार-बार बुलाने के बावजूद कोर्ट में हाजिर न होने पर अदालत नाराज हो गई और उनके खिलाफ वारंट जारी कर दिया. वारंट लखनऊ की एडीजे कोर्ट ने जारी किया है. कोर्ट ने अपने आदेश की कॉपी एसएचओ कृष्णा नगर, संबंधित डीसीपी, पुलिस कमिश्नर लखनऊ, डीजीपी और एसएसपी मथुरा को भेजने का आदेश दिया है.

तब विवेचक थे वर्तमान एसपी

अदालत ने अपने आदेश में एसपी क्राइम मथुरा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने को कहा है. मामला शैलेंद्र कुमार और अन्य के खिलाफ 2015 में कृष्णा नगर थाने में दर्ज हुआ था. इसी केस की सुनवाई लखनऊ के एडीजे कोर्ट में चल रही है. अदालत कई बार बैठ चुकी है. मामले के तत्कालीन विवेचक और वर्तमान में मथुरा के एसपी क्राइम अवनीश मिश्रा की गवाही होनी है.

लगातार अनदेखी बनी आफत

कोर्ट अवनीश मिश्रा को गवाही देने के लिए लगातार समन भेज रही थी. बार-बार समन भेजे जाने के बावजूद वे बतौर गवाह कोर्ट में पेश नहीं हो रहे थे. कोर्ट ने एसपी क्राइम मथुरा के इस कृत्य पर नाराजगी जाहिर की और कहा कि गवाह का यह कृत्य अत्यंत आपत्तिजनक और मनमाना है. अदालत ने कहा कि यह रवैया कोर्ट के प्रति असहयोग भी दशार्ता है. इस मामले की अगली सुनवाई के 16 मई को होगी.

अब लखनऊ में नहीं कटेगी बिजली; विभाग करने जा रहा ये रामबाण उपाय

विभाग की तरफ से इस साल बेहतर बिजली सप्लाई के लिए प्रयास किया जा रहे हैं. इन स्थानों पर तैयार होंगे उपकेंद्र.

(जीएनएस)।

लखनऊः पिछले साल की तुलना में इस साल गर्मी कहीं ज्यादा पड़ेगी और बारिश की संभावना कम होगी. मौसम विभाग के इस पूवार्नुमान ने ऊर्जा विभाग के अधिकारियों की चिंताएं बढ़ा दी हैं. अभी से प्रचंड गर्मी के चलते बिजली की मांग लखनऊ में 1700 मेगावाट से ऊपर पहुंच चुकी है. ऐसे में जून-जुलाई में जब ज्यादा गर्मी पड़ेगी, तो यह डिमांड 2000 मेगावाट तक पहुंच सकती है. जिससे सुचारु रूप से बिजली सप्लाई करना बड़ी चुनौती साबित हो सकता है.

हालांकि राहत की खबर यह है कि लखनऊ में अलग-अलग क्षेत्र में 20-20 मेगावाट क्षमता के 4 उपकेंद्र तैयार हो रहे हैं जो जून तक शुरू हो जाएंगे. इन उपकेंद्रों से सप्लाई चालू होते ही तकरीबन 2.5 लाख शहरवासियों को राहत मिलने की उम्मीद है. हालांकि इस बार गर्मी में बिजली विभाग की नई वर्टिकल व्यवस्था का भी टेस्ट होगा.

बिजली की मांग में इजाफाः साल दर साल उत्तर प्रदेश में गर्मी बढ़ती ही जा रही है और इससे बिजली की मांग में भी जबरदस्त इजाफा हो रहा है. पहले जहां जून और जुलाई में 1700 मेगावाट की डिमांड पहुंचती थी. वहीं डिमांड इस बार अप्रैल माह में ही पहुंच गई है. इससे बिजली विभाग के सामने अभी से बिजली सप्लाई कर पाना चुनौती साबित होने लगा है. शहरवासियों को अभी से बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है. लखनऊ में जितनी बिजली की डिमांड है उतनी सप्लाई अभी नहीं है, साथ ही उपकेंद्रों की संख्या भी कम है जिसके चलते हर क्षेत्र को डिमांड के अनुसार सप्लाई नहीं मिल पा रही है.

20 मेगावाट वाला होगा हर बिजलीघर

बेहतर सप्लाई के प्रयास शुरूः विभाग की तरफ से इस साल बेहतर बिजली सप्लाई के लिए प्रयास किया जा रहे हैं. इसके तहत शहर में 102 मेगावाट के 6 नए उपकेंद्र स्थापित किए जा रहे हैं. इनमें 4 उपकेंद्र जून माह के आखिरी तक रिचार्ज होकर बिजली सप्लाई शुरू कर देंगे, जबकि 2 उपकेंद्र अक्टूबर माह में शुरू हो पाएंगे, तब तक गर्मी में बिजली का संकट लगभग खत्म हो जाएगा. बिजली विभाग के अधिकारियों के मुताबिक जो 4 उपकेंद्र माह में शुरू हो जाएंगे उनसे लगभग 2 लाख से लेकर 2.5 तक की संख्या में उपभोक्ताओं की बिजली डिमांड पूरी की जा सकेगी.

इन स्थानों पर तैयार होंगे उपकेंद्रः राजाजीपुरम में रानी लक्ष्मीबाई के पास एक उपकेंद्र बन रहा है. एक मोहनलालगंज में नया उपकेंद्र बनाया जा रहा है. एक सरोजिनीनगर में बनाया जा रहा है, तो चौथा उपकेंद्र गोसाईगंज के पास स्थापित किया जा रहा है. शहर के अंदर राजाजीपुरम और सरोजिनी नगर में उपकेंद्र बन रहा है जबकि आउटर पर मोहनलालगंज और गोसाईगंज में. जून में ये 4 उपकेंद्र शुरू हो जाएंगे तो 2 लाख की आबादी को बड़ी राहत मिलेगी. इसके अलावा जो 2 अन्य उपकेंद्र अक्टूबर में बनकर तैयार होंगे, उनमें गोमती नगर के विशेष खंड और विनम्रखंड क्षेत्र में होंगे.

लखनऊ को दो माह बाद मिल जाएंगे चार नए उपकेंद्र

वर्टिकल व्यवस्था से उपभोक्ताओं की बढ़ेगी आफतः इस बार वर्टिकल सिस्टम लागू किया गया है तो बिजली व्यवस्था ध्वस्त होने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है. उसकी बानगी देखने को भी मिलने लगी है. तमाम जगहों पर उपभोक्ताओं को बिजली संकट झेलना पड़ रहा है और काफी देर में आपूर्ति शुरू हो पा रही है. कर्मचारियों की बड़े स्तर पर वर्टिकल व्यवस्था लागू करने के चलते छंटनी की गई है. इससे पहले जो काम 2 से 3 घंटे में हो जाता था, वह 6 से 7 घंटे में पूरा हो पा रहा है. ऐसे में इस गर्मी में कर्मचारियों की भरी कमी से बिजली कटौती की बड़ी समस्या उपभोक्ताओं को फेस करनी पड़ सकती है.

150 सब स्टेशन साढ़े 14 लाख उपभोक्ताः वर्तमान में लखनऊ में कुल 150 सब स्टेशन हैं, जो जून में बढ़कर 154 हो जाएंगे. लखनऊ में अगर उपभोक्ताओं की संख्या की बात की जाए तो 14 लाख 50 हजार के करीब उपभोक्ता है.

लखनऊ सेंट्रल जोन के चीफ इंजीनियर रवि अग्रवाल का कहना है कि हमने 31 नए फीडर बनाए हैं. जितने भी ओवरलोड ट्रांसफार्मर हैं, उनकी क्षमता वृद्धि की है. स्पेशल वैन चलाई है. कंट्रोल रूम बनाया गया है. 1912 में जो भी शिकायतें आएंगी उनका त्वरित निस्तारण किया जाएगा.

यूपीः अनुकंपा नियुक्ति को लेकर हाईकोर्ट का फैसला- कर्मचारी की मृत्यु तिथि से तय होगी विधवा पुत्रवधू की पात्रता

लखनऊ , (जीएनएस)।

हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि अनुकंपा नियुक्ति के लिए ह्लविधवा पुत्रवधूह्व की पात्रता का निर्धारण सरकारी कर्मचारी की मृत्यु की तिथि के संदर्भ में किया जाना अनिवार्य है। कोर्ट ने आदेश दिया कि जो व्यक्ति कर्मचारी की मृत्यु के समय ह्लपारिवारिक इकाईह्व का सदस्य नहीं था, वह विवाह या विधवा होने जैसी बाद की घटनाओं के आधार पर पात्रता का दावा नहीं कर सकता। न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति अबधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने यह फैसला दीपिका तिवारी की विशेष अपील को खारिज करके दिया।

इस मामले का मुख्य बिंदु यह था कि क्या एक महिला, जिसने सरकारी कर्मचारी की मृत्यु के लगभग दो साल बाद उसके बेटे से विवाह किया और बाद में विधवा हो गई, अनुकंपा नियुक्ति की हकदार हो सकती है। कोर्ट को उत्तर प्रदेश इंटरमीडिएट शिक्षा अधिनियम, 1921 के विनियम 103 से 107 की व्याख्या करनी थी ताकि यह तय किया जा सके कि क्या ह्लविधवा पुत्रवधूह्व का दर्जा कर्मचारी के निधन के समय अस्तित्व में होना चाहिए।

दरअसल, संगीता बाजपेयी जो लखनऊ के नारी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज में सहायक शिक्षिका थीं, जिनका 23 अप्रैल 2021 को सेवाकाल के दौरान निधन हो गया। उनके परिवार में उनके पति और एक बेरोजगार बेटा, निखिल बाजपेयी थे। बेटे का अनुकंपा नियुक्ति का आवेदन 10 अप्रैल 2023 को इस आधार पर खारिज कर दिया गया था कि उसके पिता पेंशनभोगी थे।

इसी बीच, निखिल बाजपेयी ने 15 फरवरी 2023 को अपीलकर्ता दीपिका तिवारी से विवाह कर लिया। विवाह के कुछ समय बाद ही 13 मई 2023 को निखिल का निधन हो गया। पति की मृत्यु के बाद, अपीलकर्ता दीपिका ने संगीता बाजपेयी की ह्लविधवा पुत्रवधूह्व के रूप में अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया। हालांकि, शुरूआत में उन्हें नियुक्ति का आदेश मिला, लेकिन शिक्षण संस्थान की आपत्तियों के बाद उसे रद्द कर दिया गया। हाईकोर्ट की एकल पीठ द्वारा उनकी याचिका खारिज होने के बाद यह विशेष अपील दायर की गई थी।

हाईकोर्ट ने एकल पीठ के निर्णय को सही ठहराते हुए विशेष अपील को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अपीलकर्ता को नियुक्ति का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि संगीता बाजपेयी की मृत्यु के समय वह परिवार की पुत्रवधू भी नहीं थी।

तालिबान ने पाकिस्तानी को दी अब तक की सबसे बड़ी चोट, खतरनाक मोड़ पर पहुंचा तनाव, 6 जवानों की मौत

(जीएनएस)।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर तनाव एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। हाल ही में पाकिस्तानी सेना द्वारा एक अफगान बच्चे की हत्या के बाद दोनों देशों के सैनिकों के बीच हिंसक झड़प शुरू हो गई। यह लड़ाई कंधार के स्पिन बोल्डक इलाके में हुई, जिसमें कई सैनिकों के मारे जाने की खबर है। तालिबान और पाकिस्तान के बीच संबंध पिछले कुछ समय से लगातार बिगड़ रहे हैं।

सीमा पर गोलीबारी और घुसपैठ के आरोपों ने दोनों देशों के बीच अविश्वास की खाई को और गहरा कर दिया है, जिससे पूरे क्षेत्र की सुरक्षा पर संकट मंडरा रहा है।

सीमा पर खूनी झड़प और नुकसान

अफगान बच्चे की मौत के बाद भड़की हिंसा में तालिबान बलों ने आक्रामक रुख अपनाया। खबरों के मुताबिक, इस झड़प में छह पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और एक को बंदी बना लिया गया। तालिबान ने न केवल सीमा पार हमला किया, बल्कि पाकिस्तानी सेना के कई आधुनिक हथियार और सैन्य साजो-सामान भी अपने कब्जे में ले लिए। स्पिन बोल्डक जैसे महत्वपूर्ण बॉर्डर पॉइंट पर हुई इस गोलाबारी ने दोनों ओर के नागरिकों में दहशत पैदा कर दी है और व्यापारिक गतिविधियां पूरी तरह ठप हो गई हैं।

आरोपों और प्रत्यारोपों का दौर

पाकिस्तान ने इस घटना पर अलग रुख अपनाते हुए दावा किया है कि अफगान तालिबान की ओर से बिना उकसावे के फायरिंग की गई। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, दक्षिण वजीरिस्तान में हुई गोलीबारी में दो महिलाओं समेत तीन नागरिक घायल हुए हैं। पाकिस्तान का कहना है कि वे केवल आतंकियों की घुसपैठ रोकने की कोशिश कर रहे थे, जिसके जवाब में तालिबान ने हमला किया। दोनों देश एक-दूसरे पर सीमा नियमों के उल्लंघन और निदोर्षों को निशाना बनाने का आरोप लगा रहे हैं, जिससे शांति की गुंजाइश कम होती दिख रही है।

टूटी उम्मीदें और बढ़ता अविश्वास

साल 2021 में जब तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया था, तब पाकिस्तान को उम्मीद थी कि एक 'मित्र सरकार' होने से उसकी सुरक्षा समस्याएं कम होंगी। पाकिस्तान चाहता था कि तालिबान 'टीटीपी' (तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान) के आतंकियों पर लगाम लगाए। हालांकि, हुआ इसके ठीक उलट। टीटीपी ने पाकिस्तान के भीतर हमले तेज कर दिए हैं, जिससे 2025 में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस वजह से पाकिस्तान अब तालिबान के प्रति कड़ा और आक्रामक रवैया अपना रहा है।

भारत और अफगानिस्तान की बढ़ती नजदीकी

पाकिस्तान की चिंता का एक बड़ा कारण काबुल और नई दिल्ली के बीच बढ़ती दोस्ती भी है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान को डर है कि भारत और अफगानिस्तान के मजबूत होते रिश्ते उसे कूटनीतिक रूप से अलग-थलग कर सकते हैं। इसी डर और टीटीपी के बढ़ते हमलों को दबाने के लिए पाकिस्तान ने सीमा पर भारी सेना तैनात की है। अक्टूबर 2025 में हुआ संघर्ष विराम (सीजफायर) भी अब पूरी तरह टूट चुका है, जिससे आने वाले दिनों में संघर्ष और बढ़ने के आसार हैं।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर ट्रक में पीछे से घुसी बस, तीन घायल

फतेहाबाद (आगरा)। (जीएनएस)। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार की रात सवारियों से भरी बस ट्रक में पीछे घुस गई। हादसे में तीन सवारियां घायल हो गईं। मौके पर पहुंची पुलिस व यूपीडा की टीम ने घायलों को अस्पताल भेजा। अन्य यात्रियों को दूसरे वाहन से रवाना कर दिया गया।

पुलिस के मुताबिक आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के रास्ते एक निजी बस दिल्ली से 80 सवारियां लेकर सिद्धार्थनगर रही थी। बस रविवार की रात करीब 2:15 बजे जैसे ही एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 20.900 पर पहुंची तो आगे चल रहे ट्रक में पीछे से घुस गई। बस में झटका लगने से बस में बैठी सवारियों में चीख पुकार मच गई। बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में तीन सवारियां घायल हो गईं।